# शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय,नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

अक्टूबर, 2021 | मासिक | 12वाँ अंक | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्यः निःशुल्क

प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

DAY-NULM
Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission

आत्मनिर्भर भारत

**13,981** स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

**77,349** PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

**24,242** पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

**33,820** मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

## 'सोनचिरैया गुजिया' ने पूरे देश में अपना परचम लहराया, महिला समूहों का हौसला बढ़ाया

## स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की पहल

## 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत आवास पर संवाद संगोष्ठी में उभर कर आए वक्ताओं के विचार

## इस अंक में


'सोनचिरैया गुजिया' ने पूरे देश में अपना परचम लहराया, महिला समूहों का हौंसला बढ़ाया

टेराकोटा कला को अपना कर आत्मनिर्भर हो रही हैं महिलाएं

विश्व हृदय दिवस पर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने किया वेबिनार का आयोजन

योजनाओं को गति प्रदान करने के लिए पलामू प्रमंडल का समीक्षात्मक भ्रमण

आवास एक प्रक्रिया है, न कि उत्पाद : प्रो. चेतन वी. वैद्य

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की पहल

वंचितों को मिल रही है अपने घर की खुशी

CMMs एवं COs के क्षमता वर्धन हेतु आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

''आजादी का अमृत महोत्सव'' के तहत 'आवास पर संवाद' संगोष्ठी में उभर कर आए वक्ताओं के विचार

राज्य भर के नगर निकायों में पूरे उत्साह के साथ 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह की शुरुआत

पक्का मकान मिलने से रौशन हुआ जीवन

अभ्रक खदानों, रेडियो श्रोताओं व पर्यटन के लिए मशहूर : झुमरी तिलैया नगर परिषद

मानगो नगर निगम की नई पहल : जल्द बदलेगी शहर के गांधी मैदान की तस्वीर


# संदेश

नगरीय प्रशासन निदेशालय के "शहरी समाचार" का नवीन अंक निदेशालय के न्यूज लेटर की श्रृंखला का बारहवां अंक है। इस न्यूज लेटर के माध्यम से हमने विगत वर्ष 2020 से अनवरत राज्य के सभी स्थानीय निकायों से जुड़ी छोटी-बड़ी विभिन्न गतिविधियों को समाहित करने का प्रयास किया है। "शहरी समाचार" का आगाज कोरोना महामारी के संक्रमण के दौरान ही शुरू हुआ था। वर्तमान में भी पूरी मानव जाति इस वैश्विक महामारी से पूरी तरह निजात नहीं पा सकी है। मगर इसके बावजूद नगरीय प्रशासन निदेशालय अपने सभी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर अपनी मुख्य भूमिका को पूर्ण करने के साथ-साथ कोरोना महामारी से निपटने के लिए भी संबंधित प्रबंधन का कार्य कर रहा है। कोरोना महामारी की त्रासदी से उत्पन्न कई विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विगत सितंबर माह निदेशालय व राज्य के सभी नगर निकायों के लिए उपलब्धियों की अवधि साबित हुआ है। "शहरी समाचार" के अक्तूबर, 2021 के अंक में हमने राज्य के सभी स्थानीय निकायों की प्रमुख गतिविधियां-सोनचिरैया गुजिया ने पूरे देश में अपना परचम लहराया, महिला समूहों का हौंसला बढ़ाया, टेराकोटा कला को अपना कर आत्मनिर्भर हो रही हैं महिलाएं, योजनाओं को गति प्रदान करने के लिए पलामू प्रमंडल का समीक्षात्मक भ्रमण, स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की पहल, वंचितों को मिल रही है अपने घर की खुशी, CMMs एवं COs के क्षमता वर्धन हेतु आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, आवास एक प्रक्रिया है, न कि उत्पाद : प्रो. चेतन वी. वैद्य, आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आवास पर संवाद' संगोष्ठी में उभर कर आए वक्ताओं के विचार, 'विश्व हृदय दिवस' पर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने किया वेबिनार का आयोजन, पक्का मकान मिलने से रौशन हुआ जीवन, मानगो नगर निगम की नई पहल : जल्द बदलेगी शहर के गांधी मैदान की तस्वीर, राज्य भर के नगर निकायों में पूरे उत्साह के साथ 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह की शुरुआत और अभ्रक खदानों, रेडियो श्रोताओं व पर्यटन के लिए मशहूर : झुमरी तिलैया नगर परिषद आदि से संबंधित अन्य गतिविधियों को समाहित किया गया है। वर्तमान में राज्य में मानसून की कभी ज्यादा, तो कभी कम बारिश होने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की चुनौतियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है, लेकिन बारिश की फुहारों के साथ-साथ कम होती गर्मी व खुशनुमा होता मौसम हम सभी में नई ऊर्जा व नए उत्साह का अहसास भी करा रहा है। इस अवधारणा के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करती हूं। साथ ही आशा करती हूं कि "शहरी समाचार" का यह अंक हम सभी के लिए प्रेरणादायक व लाभकारी साबित होगा।

**विजया जाधव**
निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

# 'सोनचिरैया गुजिया' ने पूरे देश में अपना परचम लहराया, महिला समूहों का हौसला बढ़ाया

## ऑनलाइन बिक्री का भी रहा काफी अच्छा रिस्पांस

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के अंतर्गत तीज के पावन अवसर पर महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा पूरी शुद्धता व पवित्रता से तैयार किए गए गुजिया को सोनचिरैया ब्रांड के तहत झारखण्ड में पहले उत्पाद के रूप में लांच किया गया। इस 'सोनचिरैया गुजिया' को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर लोगों ने काफी पसंद किया है। इससे राज्य की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं काफी उत्साहित हैं। 'सोनचिरैया गुजिया' की चर्चा न सिर्फ राज्य की राजधानी राँची व प्रदेश के अन्य शहरों की फिजांओं में जारी है, बल्कि निदेशालय के इस पहल की राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रशंसा की गई है।

गौरतलब है कि 'सोनचिरैया गुजिया' की ऑफलाइन बिक्री पिछले 5 सितंबर से राँची समेत राज्य के विभिन्न नगर निकायों में प्रमुख स्थानों पर स्टॉल लगाकर की गई थी। इन स्थानों पर इस गुजिया की लोगों के बीच बढ़ती मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए 27 अगस्त व 28 अगस्त से फ्लिपकार्ट पर इसकी ऑनलाइन बिक्री भी शुरू की गई, जिसका काफी अच्छा रिस्पांस रहा। देश की राजधानी दिल्ली, कोलकाता व कोडरमा जैसे शहरों से 'सोनचिरैया गुजिया' को बड़े पैमाने पर ऑनलाइन आर्डर बुक की गई। झारखण्ड सरकार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नित नए कदम उठा रही है। इसी प्रयास के तहत समूह की महिलाएं अपने हाथों से कई वस्तुओं का उत्पादन कर रही हैं। इन सामानों की बिक्री के लिए उन्हें ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया जा रहा है। 'सोनचिरैया गुजिया' भी इन्हीं उत्पादों में से एक है। खास बात यह है कि विभिन्न प्रकार से तैयार किए गए इस खास गुजिया की पैकिंग और 'सोनचिरैया ब्रांड' बाजार में मुख्य फोकस और आकर्षण का केंद्र रहा।

राज्य के विभिन्न नगर निकायों के बाजारों में उचित मूल्य पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार की 'सोनचिरैया गुजिया' की इतनी डिमांड थी कि इसे पूरा करना मुश्किल हो रहा था। इनमें मावा गुजिया, मावा सूजी गुजिया और बेसन गुजिया इत्यादि शामिल हैं। इस कड़ी में राजधानी राँची के अलावा रामगढ़ नगर परिषद, मानगो नगर निगम, कोडरमा नगर पंचायत क्षेत्र में भी जगह-जगह स्टॉल लगाकर गुजिया व पेड़किया की बिक्री की गयी। सिर्फ राँची शहर में इसके 18 स्टॉल लगाए गए थे। राजधानी राँची के विभिन्न स्टॉल पर 11 सितंबर तक 800 किलोग्राम (लगभग 4 लाख रुपये) से भी ज्यादा की गुजिया की बिक्री की गई थी।

### राँची शहर की विभिन्न स्थानों पर लगाये गये गुजिया स्टॉल

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ गुजिया बनातीं नगरीय प्रशासन निदेशालय निदेशक विजया जाधव।

## सफलता के पीछे छिपी है एक प्रेरणादायक कहानी

25 अगस्त को नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) के राँची स्थित कार्यालय परिसर में सोनचिरैया ब्रांड के तहत पहले उत्पाद के रूप में सोनचिरैया पेड़किया/गुजिया की लांचिंग की गई थी। शहरी क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने को लेकर उनके हुनर की ब्रांडिंग के लिए खुद निदेशालय ने यह कदम उठाया है। गौरतलब है कि सोनचिरैया ब्रांड नेम आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने जारी किया है। यह एक तथ्य है कि स्वयं सहायता समूह की इस बड़ी सफलता के पीछे एक प्रेरणादायक कहानी छिपी हुई है। सच तो यह भी है कि इस प्रयास में प्रत्यक्ष रूप से नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक विजया जाधव ने खुद व्यक्तिगत रूचि लेते हुए इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया है। वे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ गुजिया बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल रहीं। और तो और उन्होंने इसकी लांचिंग के अवसर पर खुद गुजिया बनाया और सबसे पहला गुजिया उन्होंने ही तला। 'सोनचिरैया गुजिया' की विधिवत लांचिंग के बाद व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार व मार्केटिंग की गई। इस क्रम में इसकी सलीके से ऑफलाइन व ऑनलाइन बिक्री की व्यवस्था की गई, जिसका काफी अच्छा परिणाम मिला।

## मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री ने भी ट्विट कर की तारीफ

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हाथों से तैयार 'सोनचिरैया गुजिया' की तारीफ न सिर्फ झारखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी व काफी संख्या में झारखंडवासियों ने ट्विटर के माध्यम से की है, बल्कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने भी इस खास तरह की गुजिया के स्वाद व इन्हें अपने हाथों से तैयार करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हौंसलों की खुले दिल से तारीफ की है। पिछले दिनों जब उनके विभाग (MoHUA) के संयुक्त सचिव श्री संजय कुमार ने उन्हें सोनचिरैया गुजिया का पैकेट भेंट किया और उन्होंने जब इसका स्वाद चखा तो वे काफी भावुक हो गए। इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने ट्विट किया है जो इस प्रकार है :-

''चलो इसी बात पे मुँह मीठा करते हैं, इस तरह हम भारतीय खुशियों, आपस में मेल-जोल और त्योहारों के पलों को मनाते हैं। महिला सशक्तिकरण के अतिरिक्त तड़के से बनी मिठाइयाँ झारखंड के "सोनचिरैया" ब्रांड की गुजिया का डिब्बा इसे और भी खास बनाती हैं।''

आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री संजय कुमार केन्द्रीय मंत्री माननीय श्री हरदीप सिंह पुरी जी को 'सोनचिरैया गुजिया' का पैकेट भेंट करते हुए।

# टेराकोटा कला को अपना कर आत्मनिर्भर हो रही हैं महिलाएं

शांति स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए मिट्टी के बर्तन व खिलौने।

## विलुप्त होती कला को संजो रही है शांति स्वयं सहायता समूह, हजारीबाग की महिलाएं

एक तरफ जहां भारत में टेराकोटा कला विलुप्त होती जा रही है, वहीं हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र की मटवारी कुम्हार टोली स्थित 'शांति स्वयं सहायता समूह' की महिलाएं इस कला से जुड़कर व इसे स्वरोजगार का माध्यम बनाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। इस महिला समूह का गठन 24 अप्रैल, 2019 को दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) योजना के अंतर्गत किया गया था। समूह की महिलाओं को अपना रोजगार बढ़ाने के लिए प्रारंभ में 10,000 रुपये की राशि का भुगतान बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से कराया गया था। समूह की महिलाएं टेराकोटा कला के माध्यम से मिट्टी का प्रयोग कर अपने हाथों से तरह-तरह के खिलौने, दीया, सजावट के सामान आदि का निर्माण करती हैं। इन महिलाओं ने बताया कि वैसे तो मिट्टी का दीया, पूजा के बर्तन, सजावट के सामान आदि की सालभर बिक्री की जाती है, लेकिन दीपावली एवं छठ पूजा में इसकी बिक्री ज्यादा होती है। लागत कम रहने के कारण मुनाफा ज्यादा होता है। पूजा के सीजन में महिला समूह की हर सदस्य को हर साल 40 से साठ हजार रुपये तक का मुनाफा हो जाता है। समूह की सभी सदस्यों का भरण-पोषण टेराकोटा कला के माध्यम से बनाई गई सामग्रियों की बिक्री से ही हो रहा है। समूह की महिलाएं इस सहयोग के लिए नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार का आभार व्यक्त कर रही हैं।

# विश्व हृदय दिवस पर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने किया वेबिनार का आयोजन

नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA), नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा ''विश्व हृदय दिवस'' पर दिनांक 29.09.2021 की शाम 5 बजे से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों के CMMs एवं COs तथा कई अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस दौरान रिम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर व जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत कुमार ने जमशेदपुर, चतरा, धनबाद, हुसैनाबाद आदि नगर निकायों के CMMs एवं COs द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। साथ ही उनकी शंकाओं को दूर कर हृदय रोग से बचने के लिए उन्हें उचित सलाह भी दी। इस दौरान डा. प्रशांत ने कहा कि आज आम इंसान की जिंदगी में तनाव (stress) हृदय रोगियों के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। यदि इस स्थिति में ज्यादा सुधार या सकारात्मक बदलाव नहीं हुआ तो इसमें हैरानी की कोई बात नहीं होगी कि आने वाले दिनों में हमारे देश में हर चौथा व्यक्ति हृदय रोग से ग्रसित होगा। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए हमें खाने में नमक, चाय-कॉफ़ी, आलू व चावल तथा तेल, घी, मक्खन जैसी कैलेस्ट्राल बढ़ाने वाली चीजों का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। फास्ट फूड खाने से भी परहेज करना चाहिए। हृदय रोगियों को तो फास्ट फूड खाना ही नहीं चाहिए।

**बढ़ता तनाव हृदय रोगियों के बढ़ने का सबसे बड़ा कारणः डा. प्रशांत**

प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डा. प्रशांत ने वेबिनार में शामिल लोगों का महत्वपूर्ण व संतोषजनक जवाब दिया। जमशेदपुर निवासी एक व्यक्ति द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि किसी हृदय रोगी का वाल्ब बदले जाने के बाद शरीर के किसी हिस्से में यदि कोई सूजन आता है तो उससे राहत पाने के लिए minimum dose में दवा लेनी चाहिए।

## डाक्टर से परामर्श लेना उचित

पहली बार हृदय रोग के शिकार हुए व्यक्ति को तुरंत कौन सी दवा देनी चाहिए, इस बारे में वेबिनार के दौरान धनबाद से एक व्यक्ति द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए डा. प्रशांत ने बताया कि ऐसी हालत में मरीज को सबसे पहले Aspirin-300 के नाम से आने वाली दवा देनी चाहिए। यह दवा मरीज को अस्पताल ले जाने से पहले देने से उसे काफी राहत मिलेगी। मगर रोगी यदि पेप्टिक अल्सर से पहले से पीडित है, तो उसे यह दवा नहीं देनी चाहिए। ऐसे में तुरंत डाक्टर से परामर्श लेना होगा। यदि कोई हृदय रोगी जिसे पहले Heart Attack आया हो तो उसे morning walk या कोई exercise करना चाहिए या नहीं, इस सवाल के जवाब में डा. प्रशांत ने कहा कि ऐसे में मरीज को जरूरी टेस्ट करवाकर व अपने डाक्टर से सलाह लेने के बाद ही ऐसा करना चाहिए। सलाह लेने के बाद वे normal walk कर सकते हैं।

ज्यादा सूजन होने पर ही इंजेक्शन लेना चाहिए। चतरा निवासी एक व्यक्ति द्वारा ह्रदय रोग होने के प्रमुख कारणों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए डा. प्रशांत ने बताया कि इस रोग का वंशानुगत कारण भी हो सकता है। यदि आपके घर में आपके पूर्वज या माता-पिता में से कोई Hipper-Tension या Diabetes से ग्रसित रहे हों तो आप आप इसके शिकार हो सकते हैं। मगर ऐसा होना जरूरी भी नहीं है।

# योजनाओं को गति प्रदान करने के लिए पलामू प्रमंडल का समीक्षात्मक भ्रमण

## आपसी समन्वय को बढ़ावा देने का प्रयास

लातेहार में लाभुकों को जॉब कार्ड प्रदान करते सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी।

पलामू प्रमंडल के विभिन्न नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के क्रियान्वयन का भौतिक निरीक्षण व समीक्षा किए जाने हेतु नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) के विभिन्न पदाधिकारियों की अलग-अलग तीन टीम दिनांक 07.09.2021 को दो दिवसीय दौरे पर गई। टीम का नेतृत्व सहायक निदेशक श्री योगेन्द्र प्रसाद व श्री शैलेश प्रियदर्शी ने किया।

मेदिनीनगर में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण करते PMAY(U) के टीम लीडर श्री राजन कुमार।

इस क्रम में निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी विभागीय पदाधिकारियों के साथ दिनांक 07.09.2021 को लातेहार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं का निरीक्षण किया एवं उनकी समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने संबंधी कई जरूरी निर्देश भी दिए। नगरीय प्रशासन निदेशालय के स्टेट टीम के पलामू प्रमंडल के विभिन्न नगर निकायों के प्रस्तावित दो दिवसीय भ्रमण के क्रम में निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी द्वारा नगर पंचायत, लातेहार के क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत वार्ड नं 7 चटनाही में कुछ श्रमिकों को सामुदायिक भवन जाकर जॉब कार्ड का वितरण भी किया गया। जॉब कार्ड पाकर श्रमिक काफी उत्साहित दिखे। श्री शैलेश प्रियदर्शी दिनांक 08.09.2021 दिन बुधवार को पलामू जिला अंतर्गत हरिहरगंज नगर पंचायत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हरिहरगंज नगर पंचायत कार्यालय व स्थल का निरीक्षण किया।

साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा भी की। टीम के द्वारा हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक के अंतर्गत लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (BLC) के तहत लाभ प्राप्त कर चुके लाभार्थी जिन्होंने अभी तक आवास निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया है, उन्हें जल्द से जल्द नींव का काम शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया।

क्षेत्र भ्रमण के उपरांत दिनांक 08.09.021 को ही मेदिनीनगर में नगर आयुक्त की मौजूदगी में पलामू प्रमंडल के विभिन्न नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) व मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) की प्रगति की समीक्षा की गई।

# आवास एक प्रक्रिया है, न कि उत्पादः प्रो. चेतन वी. वैद्य

## 'समावेशी आवास' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग व बीआईटी, मेसरा, रांची के संयुक्त तत्वावधान में विगत 25 सितंबर को 'सभी के लिए आवास' के तहत 'समावेशी आवास' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन वेबिनार में वक्ता के रूप में स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (स्पा), नई दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. चेतन वी. वैद्य, स्पा (भोपाल) के प्रोफेसर डा. निखिल रंजन मंडल, सीएमपीडीआई, कोल इंडिया, रांची के पूर्व मुख्य आर्किटेक्ट श्री सुदिप्तो चक्रवर्ती व प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के टीम लीडर श्री राजन कुमार ने भाग लिया।

वेबिनार की शुरुआत स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (स्पा), नई दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. चेतन वी. वैद्य ने अंग्रेजी वास्तुकार जॉन एफ सी टर्नर की उस उक्ति से की, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'आवास एक प्रक्रिया है न कि उत्पाद।'हम सभी को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को भी इसी परिपेक्ष्य में देखना चाहिए, जिसकी शुरुआत 25 जून 2015 को की गई थी। इस योजना के तहत वर्ष 2022 तक देशभर के 20 करोड़ निम्न आय वर्ग के गरीब परिवारों को 'सबके लिए आवास' उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रो. वैद्य ने कहा कि PMAY (U) के तहत 2011 की जनगणना के अनुसार, सभी 4,446 वैधानिक कस्बों को तीन चरणों में कवर करने के लिए 500 क्लास-वन शहरों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि PMAY(U) हाउस सम्मानजनक जीवन के साथ-साथ सुरक्षा की भावना और लाभार्थियों को स्वामित्व का गौरव सुनिश्चित करता है। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर राज्य सरकारों को लैंड बैंक बनाने व इससे संबंधित आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने की जरूरत पर बल दिया। प्रो. वैद्य ने किफायती आवास के विकल्प को फोकस करते हुए इसे गरीब परिवारों के लिए काफी हितकर बताया। PMAY(U) के तहत सभी घरों में शौचालय, पानी की आपूर्ति, बिजली और रसोई जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना राज्य सरकारों की प्राथमिक जिम्मेवारी है। वेबिनार में दूसरे वक्ता के रूप में मौजूद स्पा, भोपाल के प्रोफेसर डा. निखिल रंजन मंडल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का मुख्य उद्देश्य 'सबके लिए घर' उपलब्ध कराना है। उन्होंने मॉडल काश्तकारी अधिनियम, 2021 पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय के साथ इसमें भी बदलाव होना चाहिए ताकि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के मकसद को पूरी तरह से कामयाब किया जा सके।

वेबिनार में तीसरे वक्ता के रूप में शिरकत कर रहे सीएमपीडीआई, कोल इंडिया, रांची के पूर्व मुख्य आर्किटेक्ट श्री सुदिप्तो चक्रवर्ती ने कहा कि भारत एक लोक कल्याणकारी गणराज्य है। उन्होंने कहा कि इस नजरिए से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीबों के हित में एक महत्वपूर्ण योजना है।

इस योजना के तहत वित्तीय रूप से कमजोर वर्ग के लिए किफायती आवास साधनों को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार मिलकर काम करती हैं। हालांकि यह योजना 'सभी के लिए आवास' के उद्देश्य से शुरू की गई है, लेकिन विशेष रूप से गरीबों को अपना घर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने लाभुकों की सहायता के लिए सिंगल विंडो प्लेटफार्म उपलब्ध कराने को समय की मांग बताया।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड में PMAY(U) के कार्य की प्रगति संतोषजनक व सरकार का काम उत्साहवर्धक है। वेबिनार में चौथे व अंतिम वक्ता के रूप में मौजूद प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के टीम लीडर श्री राजन कुमार ने PMAY (U) की कार्य की प्रगति के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने राज्य में PMAY (U) के तहत निर्मित आवासों की दीवारों पर बनाए गए परंपरागत चित्रकारों को सरकार द्वारा पुरस्कृत किए जाने की भी जानकारी दी। साथ ही लाभुकों के जीवन में आए बदलाव पर आधारित वीडियोज भी दिखाए। उन्होंने कहा कि LHP (लाइट हाउस प्रोजेक्ट, रांची) मॉडल हाउसिंग प्रोजेक्ट है, जिनमें चुने गए वैकल्पिक तकनीक के साथ बनाए गए घर हैं जो क्षेत्र की भू-जलवायु और खतरनाक स्थितियों के लिए उपयुक्त हैं। इसके तहत कम लागत में आधुनिक तरीके से बेहतर गुणवत्ता के साथ टिकाऊ व पर्यावरण के अनुकूल रहने के लिए घरों का निर्माण किया जा रहा है।

# स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की पहल

## प्रशिक्षण के माध्यम से स्वच्छता, गुणवत्ता के साथ-साथ विक्रय से संबंधित मूलभूत विषयों की दी गयी जानकारी

**राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) अंतर्गत स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए दिनांक 15.09.2021 व 16.09.2021 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूरी तरह से कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को FSSAI (Food Safety & Standard Authority of India) के ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत करते हुए प्रशिक्षकों ने बताया कि फुटपाथ विक्रेताओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें बेहतर आजीविका प्राप्त करने में सक्षम बनाना, फुटपाथ विक्रेताओं की आजीविका के साधनों को बेहतर बनाना एवं उन्हें सुदृढ़ करना, प्रशिक्षण उपरांत अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण (Convergence) एवं उन्मुखीकरण (Orientation) करना आदि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।**

प्रदेश की राजधानी राँची में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दो स्थानों पर किया गया। अटल स्मृति वेंडर मार्केट में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन FSSAI (Food Safety & Standard Authority of India) के नेशनल रिसोर्स पर्सन श्री गौरव कुमार सिंह व डा. अविरल कक्कड़ ने प्रशिक्षणार्थियों को 'खाद्य सुरक्षा' से संबंधित कई महत्वपूर्ण व्यावहारिक जानकारियां दीं। साथ ही उन्हें अपने काम के दौरान पूरी तरह से स्वच्छता के नियमों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से 'रखोगे सफाई तो बढ़ेगी कमाई' को अपने रोजगार के मूल-मंत्र के रूप में अपनाने की अपील की। दूसरे दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्ट्रीट फूड वेंडर्स को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को कीट व प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रोत्साहन राशि के रूप में 500 रुपये स्ट्रीट वेंडर्स के बैंक खाते में हस्तांतरण करने की जानकारी दी गई एवं प्रशिक्षण उपरांत सरकार द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने संबंधी प्रमाण-पत्र का भी वितरण किया गया। इसी प्रकार राँची शहर के खादगड़ा बस स्टैंड के नजदीक स्थित कौशल विकास केंद्र में भी 15.09.2021 को स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान FSSAI के FoSTaC (Food Safety Training & Certification Dept.) के प्रशिक्षक श्री दीपक देवगढिया, सुश्री आकांक्षा व सुश्री सकून ने प्रशिक्षणार्थियों को 'खाद्य सुरक्षा' के तहत स्वच्छता के नियमों का अच्छी तरह से पालन करने व इसके व्यवहारिक पहलूओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षणार्थियों के बीच कीट व प्रमाण-पत्र का भी वितरण किया गया।

**राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया**

जमशेदपुर अक्षेस में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की तस्वीर।

### स्ट्रीट फूड वेंडर्स में हुआ नई उर्जा का संचार

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कई स्ट्रीट फूड वेंडर्स ने सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण को उपयोगी एवं लाभदायक बताया एवं बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आजीविका के साधनों को बेहतर बनाने एवं सुदृढ़ करने संबंधी तथा कई सरकारी योजनाओं से जुड़ कर योजना का लाभ लेने संबंधी जानकारी प्राप्त हुई, जिससे वे अनभिज्ञ थे। प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण, जिसमें दुकान एवं आसपास के क्षेत्र को साफ रखना, साफ-सफाई का ध्यान रखते हुए दुकान के आगे डस्टबिन रखना, हेड बैंड पहनना, ग्लब्स पहनना, मास्क, सैनिटाइजर का प्रयोग करने आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता संबंधी वीडियो भी दिखाया गया। प्रशिक्षण के दौरान कोरोना काल में पथ विक्रेताओं के समक्ष उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा किन-किन योजनाओं से पथ विक्रेताओं को जोड़ा गया है एवं लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है, इस बात की जानकारी भी दी गई।

जमशेदपुर अक्षेस में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की तस्वीर।

राँची में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की तस्वीर।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाभुक सरिता देवी का नवनिर्मित आवास।

# वंचितों को मिल रही है अपने घर की खुशी

महान यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा था ''मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।'' अरस्तु प्लेटो के शिष्य थे एवं सिकंदर के गुरु थे। अरस्तु का कहना था कि अन्य जीवों की तरह मनुष्य भी एक सामाजिक प्राणी है, जिसे समाज का प्यार और साथ की जरूरत होती है। मनुष्य उसी समाज में जन्म से लेकर मृत्यु तक सादगी एवं शांति के साथ जीवन जीने के लिए सदैव संघर्ष करता रहता है। आज मैं इसी तरह की एक महिला की संघर्ष की गाथा से आपको परिचित करवाने जा रहा हूं। यह कहानी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एक लाभुक की है। जी हां, वह महिला हैं श्रीमती सरिता देवी, पति श्री चंदन कुमार मेहता जो नगर पंचायत, वंशीधर नगर के वार्ड नंबर 16 की स्थायी निवासी हैं। चंदन कुमार मेहता जी पेशे से एक ऑटो ड्राइवर हैं। इसी काम से हुई कमाई से वे अपने परिवार की जीविका चलाते हैं।

श्री चंदन कुमार मेहता

चंदन कुमार मेहता को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवास मिलने संबंधी जानकारी ऑटो ड्राइविंग के क्रम में ऑटो की सवारी कर रहे लोगों से प्राप्त हुई थी। उन्हें इस बारे में जानकारी मिली कि सरकार शहरी क्षेत्र के गरीबों को गृह निर्माण हेतु सहायता के रूप में 2,25.000/- (दो लाख पच्चीस हजार) रुपये मुहैया कराती है, जिसमें अपनी तरफ से कुछ सहयोग राशि लगाकर दो कमरा, किचन, बाथरूम बनाना होता है।

इसके बाद चंदन कुमार मेहता जी ने वार्ड पार्षद से संपर्क कर अपनी पत्नी श्रीमती सरिता देवी के नाम से आवेदन वार्ड पार्षद को समर्पित किया। वार्ड पार्षद ने इनका सहयोग करते हुए स्वीकृति हेतु आवेदन-पत्र नगर पंचायत कार्यालय में जमा करवाया।

इसके फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2017-18 में उनकी पत्नी के नाम से पीएम आवास की स्वीकृति के उपरांत लाभार्थी संख्या प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने अपनी सहयोग राशि एवं सरकार द्वारा चार विभिन्न किश्तों में प्राप्त राशि से 8 माह के अंदर अपना सपनों का घर तैयार कर लिया।

अपना पक्का मकान के निर्माण पूरा होने के संबंध में जब सरिता देवी के पति चंदन कुमार मेहता जी से बात की गई तो वे काफी भावुक हो गए और उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने बताया कि इस घर को बनाने के लिए उन्होंने रात में भी ऑटो चलाया ताकि अपनी तरफ से सहयोग राशि लगा कर अपने सपनों के आशियाने के सपने को पूरा कर सकूं।

अपनी सफलता की कहानी को गौरवान्वित अंदाज में बयां करते हुए वे बताते हैं कि अब उन्हें परिवार व समाज में अलग तरह का मान-सम्मान एवं पहचान मिल रही है। इस बात की कल्पना मैं व मेरे परिवार ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। अपने सपनों का आशियाना बन जाने की खुशी की चमक इनके परिवार के चेहरे पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। इसके लिए उन्होंने केंद व राज्य सरकार, अपने वार्ड पार्षद व नगर निकाय के सभी पदाधिकारियों व कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

## 8 माह के अंदर तैयार कर लिया अपना घर

- चंदन को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवास मिलने संबंधी जानकारी ऑटो की सवारी कर रहे लोगों से प्राप्त हुई थी
- वित्तीय वर्ष 2017-18 में उनकी पत्नी के नाम से पीएम आवास की स्वीकृति मिली
- चंदन ने अपनी सहयोग राशि एवं सरकार द्वारा चार विभिन्न किश्तों में प्राप्त राशि से 8 माह के अंदर अपना घर तैयार कर लिया
- चंदन को अब उन्हें परिवार व समाज में अलग तरह का मान-सम्मान एवं पहचान मिल रही है

श्री चंदन कुमार मेहता का पूर्व का कच्चा घर।

# CMMs एवं COs के क्षमता वर्धन हेतु आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**DAY-NULM योजना के घटक SM&ID अंतर्गत नगर मिशन प्रबंधकों (CMMs) के क्षमता वर्धन (Capacity Building) हेतु राजधानी राँची में दिनांक 01.09.2021 से 06.09.2021 तक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 01.09.2021 को नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर निदेशालय के सहायक निदेशक श्री योगेन्द्र प्रसाद एवं बतौर प्रशिक्षक JSLPS के कार्यक्रम प्रबंधक श्री रामराय बानरा भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न नगर निकायों के 31 सिटी मिशन मैनेजर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।**

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक विजया जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि JSLPS (झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाईटी) राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह के गठन, गरीब महिलाओं की आजीविका संवर्धन व उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बेहतर काम कर रही है। इससे फेडरेशन (ALF U CLF) को आर्थिक बल मिल रहा है। साथ ही गरीब महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का भी विकास हो रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास विभाग व झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (JSLPS), ग्रामीण विकास विभाग के बीच पिछले 3 अगस्त को हुए करार (MoU) के साथ शुरू हुए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की श्रृंखला की दूसरी कड़ी थी।

पहले दिन से लेकर चौथे दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान गरीबी विश्लेषण, सोशल मोबलाइजेशन व संस्थागत विकास तथा फेडरेशन के विकास पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के लिए कंप्यूटर की तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें दिन दिनांक 05.09.2021 को प्रशिक्षणार्थियों को JSLPS के संसाधन खंड के एक्सपोजर विजिट के तहत राजधानी राँची के निकटवर्ती दो गांवों (नगड़ी व बेड़ो) का भ्रमण करवाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे और अंतिम दिन दिनांक 06.09.2021 को विगत दिवस के एक्सपोजर विजिट की ब्रीफिंग की गई तथा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। साथ ही उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं भी दी गई।

द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक विजया जाधव ।

## सामुदायिक संगठनकर्ताओं (COs) को भी दिया प्रशिक्षण कार्यक्रम

### सितंबर माह में तीन अलग-अलग बैच को दिया गया प्रशिक्षण

सामुदायिक संगठनकर्ताओं (COs) के क्षमता वर्धन (capacity building) हेतु विगत सितंबर माह में राजधानी राँची के होटल रायल में कुल तीन अलग-अलग बैच का सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलापूर्वक आयोजन किया गया। पहले बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 07.09.2021 से 13.09.2021 तक किया गया। इसी प्रकार दूसरे बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 14.09.2021 से 20-09.2021 तक व तीसरे बैच का प्रशिक्षण दिनांक 21.09.2021 से 27.09.2021 तक चला। पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बतौर प्रशिक्षक JSLPS के स्टेट रिसोर्स पर्सन श्री शांति गोपाल दास व श्रीमती सुमेरियन कान्डेयांग मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को गरीबी विश्लेषण और शहरी संदर्भ में गरीबी के विभिन्न आयाम, सामाजिक समावेश और रास्ता तथा स्वयं सहायता समूह की अवधारणा, प्रबंधन और पंचसूत्र आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इसके अलावा सामुदायिक संस्थाओं के उच्च स्तरीय संघों की आवश्यकता व अवधारणा तथा वित्तीय समावेशन-बैंक खाता खोलना, बचत और ऋण प्रबंधन, बीमा, आरएफ और सीआईएफ प्रबंधन, माइक्रो क्रेडिट योजना तैयार करना आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। साथ ही अभिलेखों की पुस्तकों का महत्व, एसएचजी स्तर पर अभिलेखों के प्रकार और उनके उपयोग, बुक कीपर, क्या करें और क्या न करें, आतंरिक लेखा परीक्षा और बाहरी लेखा परीक्षा आदि विषयों पर भी अहम जानकारी दी गई। खास बात यह रही कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट के तहत राँची के निकटवर्ती दो प्रखण्डों का भ्रमण करवाया गया। सभी बैचों का सातवें व अंतिम दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हो गया। प्रशिक्षणोपरांत सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां।

संगोष्ठी में अपने विचार रखते डा. अमर एरोन तिग्गा एवं श्री गुरजीत सिंह(क्रमशः बायें एवं दायें)

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी एवं अतिथिगण।

# ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के तहत 'आवास पर संवाद' संगोष्ठी में उभर कर आए वक्ताओं के विचार

## PMAY (U) से हो रहा है गरीबों, वंचितों व महिलाओं का सशक्तिकरण

झारखण्ड सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों को न सिर्फ इस योजना का लाभ दे रही है, बल्कि उन परिवारों को सरकार की अन्य योजनाओं से भी जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास में जुटी है। राज्य सरकार के इस प्रयास से समाज के गरीब व वंचित वर्ग के लोगों के साथ-साथ महिलाओं का भी सशक्तिकरण हो रहा है। यह बातें नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक (DMA) की निदेशक विजया जाधव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे ''आजादी का अमृत महोत्सव'' श्रृंखला के तहत दिनांक 28.09.2021 को राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी ''आवास पर संवाद'' कार्यक्रम का द्वीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम का आयोजन राजधानी राँची के धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में दोपहर बाद 3 बजे से किया गया था। यह कार्यक्रम लगभग दो घंटे तक चला। संगोष्ठी के दौरान मुख्य रूप से PMAY(U) का कार्यान्वयन और सोशल मोबलाइजेशन, वास्तुकला, योजना और प्रौद्योगिकी तथा वित्तीय समावेशन विषय पर तीन अलग-अलग सत्रों का आयोजन किया गया।

द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं निदेशालय की निदेशक विजया जाधव।

### लाभुकों ने अपने अनुभव को सांझा किया

कार्यक्रम में आये लाभुकों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए अपने पुराने दिनों की परेशानियों को सभी के समक्ष रखा। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न नगर निकाय के पदाधिकारी और लाभुक ऑनलाइन शामिल हुए। नगरीय प्रशासन निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी के द्वारा समापन टिप्पणी और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

अपने संबोधन में नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक (DMA) की निदेशक विजया जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सरकार की एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना में महिलाओं को भी को-ओनरशिप प्रदान किया जा रहा है ताकि उन्हें उनका हक दिया जा सके। 'आवास पर संवाद' कार्यक्रम के महत्व व उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि 'सबके लिए घर' के लिए राज्य सरकार अनवरत काम कर रही है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आज हम सब चर्चा करने के लिए यहां इकट्ठा हुए हैं।

PMAY (U) की जानकारी देते हुए डीएमए निदेशक ने कहा कि इस योजना के कुल चार प्रमुख घटक हैं। उनमें से राज्य में मुख्य रूप से तीन घटकों पर काम हो रहा है। इनमें इन सीटू स्लम पुनर्विकास (ISSR), क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (CLSS) साझेदारी में किफायती आवास (AHP) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में PMAY (U) के तहत अब तक 1.57 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। उसमें से 77 हजार आवास पूर्ण हो चुके हैं। 50 हजार आवास निर्माण का काम प्रगति पर है। इस योजना के तहत 46 हजार भूमिहीनों को घर मिल चुका है। सरकार ने राज्य के स्लम एरिया को भी चिह्नित किया है। साथ ही ऐसे इलाकों में 15 हजार 817 आवास की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है।

JSLPS के सामाजिक अंकेक्षण इकाई के राज्य समन्वयक श्री गुरजीत सिंह ने कहा कि PMAY(U) सामाजिक भागीदारी व जानकारी को सुनिश्चित करने की सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि कन्वर्जन लेवल (अभिसरण के स्तर) पर भी काम किया जा रहा है। राज्य में सोशल ऑडिट (Social Audit) से भी सोशल मोबलाइजेशन हुआ है। उन्होंने PMAY(U) के क्रियान्वयन में विभिन्न नगर निकाय क्षेत्र में सूचना के प्रवाह को और बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया।

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के पूर्व कार्यवाहक निदेशक डा. अमर एरोन तिग्गा ने कहा कि 'अपना घर' हर आदमी के जीवन का एक सपना होता है और इसी सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से सरकार पूरा कर रही है। बिजली, पानी, रसोई गैस व शौचालय आदि की सुविधा से युक्त अपना 'पक्के का मकान' मिलने से वे भी अपने भविष्य का यह सपना देखने लगे हैं कि अब उनके बच्चे भी बड़े होकर अफसर बन सकते हैं। यह गरीबों व वंचितों के जीवन में आया एक नए तरह का सामाजिक बदलाव है। उन्होंने पीएम आवास योजना (शहरी) में कम्युनिटी हॉल, मेडिकल, स्पोर्ट्स की सुविधा प्रदान करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से समाज में और आपस में और अधिक एकता आएगी, आपस में मेल-जोल बढ़ेगा साथ ही भेदभाव कम होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर विकास विभाग के चीफ टाउन प्लानर श्री गजानंद राम ने सरकार के लाइट हाउस प्रोजेक्ट(LHP), राँची पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

### कुष्ठ रोगियों को बिना अंशदान के दिया जा रहा है पीएम आवास

संगोष्ठी के दौरान नगरीय प्रशासन निदेशालय (DMA) की निदेशक विजया जाधव ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि झारखण्ड में कुष्ठ रोगियों की संख्या 20,500 है जो भीख मांगकर अपना व अपने परिवार का गुजारा करते हैं। PMAY (U) घटक 3 के तहत जमशेदपुर में 400 पीएम आवास के निर्माण का कार्य तीव्रता से जारी है। इनमें से 240 आवास का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस कार्य में टाटा कंपनी राज्य सरकार के साथ मिलकर कुष्ठ रोगियों के हिस्से का अंशदान देगी। चूकि लाभुक कुष्ठ रोगी व गरीब हैं। इस कारण वे चार लाख रुपये वहन नहीं कर सकते। ऐसे में विभाग ने लाभुकों को मुफ्त में आवास उपलब्ध कराने का नया रास्ता निकाला है। विभाग की पहल पर अब इस राशि का भुगतान टाटा कंपनी (कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी) के तहत करने जा रही है। इसके अलावा देवघर में भी इसी तरह के 64 आवासों का निर्माण किया गया है।

# राज्य भर के नगर निकायों में पूरे उत्साह के साथ 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह की शुरुआत

**PMAY(U) अंतर्गत सभी नगर निकायों में आवास पर संवाद, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, खेलकूद प्रतियोगिता और चित्रांकन आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।**

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत दिनांक 27.09.2021 से 03.10.2021 तक 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत राज्य के सभी नगर निकायों में विभिन्न तरह की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के आयोजन किया जा रहा है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत राज्य भर के नगर निकायों में विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं बैंकों के माध्यम से ''आवास पर संवाद'' सेमिनार का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आयोजन किया जा रहा है। PMAY(U) योजना के लाभार्थियों के साथ फलदार एवं औषधीय पौधों का वृक्षारोपण अभियान, ''लाभार्थियों से रूबरू'' कार्यक्रम की शुरुआत एवं 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के आवासों के आस-पास स्वच्छता अभियान का भी आयोजन किया जा रहा है।

27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित प्रतिस्पर्धा का आयोजन, जन भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सामुदायिक व सार्वजनिक शौचालयों को साफ रखने हेतु जागरूकता अभियान, इसके साथ ही प्रत्येक शौचालय के बाहर क्यूआर कोड लगाते हुए आम जनों को अपना फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करना एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बीच कचरा से कला प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन आदि कार्यक्रम भी सम्मलित हैं। वर्तमान में कार्यक्रम जारी है।...*(शेष अगले अंक में)*

• 30 सितंबर तक निकायों के गतिविधियों की कुछ झलकियाँ। •

# पक्का मकान मिलने से रौशन हुआ जीवन

कौशल्या देवी, पति-गोपेश्वर गोराई, निवासी ग्राम-मांझी टोली, बुण्डू वार्ड नं-12 की स्थानीय निवासी हैं। वह एक गरीब परिवार की महिला हैं। उनके घर में परिवार के पाँच सदस्य एक साथ रहते हैं। उनका पूर्व का मकान खपरैल लकड़ी का बना हुआ था, जिसमें बरसात के समय छत से काफी पानी गिरता रहता था। इस वजह से घर की मिट्टी की दीवार भी गिरने का डर हमेशा सताता रहता था।

परिवार के पाँचो सदस्यों को मकान में एक साथ रहने में काफी कठिनाई होती थी। ऐसे ही समय में कौशल्या देवी को इस बात का पता चला कि शहरी क्षेत्र के गरीब लोगों की भलाई के लिए भारत सरकार एवं झारखण्ड सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) क्रियान्वित की जा रही है। इसके बाद उन्होंने बुण्डू नगर पंचायत कार्यालय जाकर सरकार की इस योजना के बारे में पूरी तरह से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्हें कार्यालय कर्मियों के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का आवेदन फॉर्म दिया गया। कौशल्या देवी ने कार्यालय से घर आने के बाद परिवार की सहमति से फॉर्म भरकर बुण्डू नगर पंचायत में जमा कर दिया। कुछ दिनों बाद उन्हें कार्यालय बुलाकर बताया गया कि आपका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक के रूप में चयनित हो गया है। इसके लिए उन्हें भवन निर्माण हेतु कार्यालय से आदेश दिया गया, जिससे उन्हें काफी खुशी हुई। भवन निर्माण का आदेश मिलते ही उन्होंने अपना आवास बनाना प्रारंभ कर दिया, जिससे कार्यालय द्वारा चार किश्तों के आधार पर उन्हें 2,25,000 (दो लाख पच्चीस हजार) रुपये की राशि प्राप्त हो गई।

भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद कौशल्या देवी का पूरा परिवार खुशी-खुशी नए पक्का के मकान में रहने लगे। इसके लिए उनके पूरे परिवार ने केन्द्र सरकार व राज्य सरकार तथा बुण्डू नगर पंचायत कार्यालय के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालक पदाधिकारी, अपने वार्ड पार्षद एवं संबंधित सभी कार्यालय कर्मियों के प्रति अपने परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

• कौशल्या देवी का नया पक्का मकान। •

# अभ्रक खदानों, रेडियो श्रोताओं व पर्यटन के लिए मशहूर : झुमरी तिलैया नगर परिषद

झुमरी तिलैया डैम

''झुमरी तलैया को अक्सर एक काल्पनिक स्थान समझने की भूल कर दी जाती है, लेकिन इसकी ख्याति की प्रमुख वजह एक जमाने में यहां की अभ्रक खदानों के अलावा यहां के रेडियो प्रेमी श्रोताओं की बड़ी संख्या भी है। झुमरी तिलैया के रेडियो प्रेमी श्रोता विविध भारती के फरमाइशी कार्यक्रमों में सबसे ज्यादा चिट्ठियां लिखने के लिए जाने जाते हैं।''

झुमरी तिलैया एक छोटा, लेकिन झारखण्ड प्रदेश का मशहूर कस्बा है। झुमरी तिलैया को 'झुमरी तलैया' के नाम से भी जाना जाता है। यहां के स्थानीय निवासी मूलतः खोरठा बोलते हैं। हिन्दी इस कस्बे की प्रमुख भाषा है। झुमरी तलैया कोडरमा जिला मुख्यालय से करीब छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। तिलैया डैम दामोदर घाटी निगम द्वारा निर्मित यह पहला बांध और हाइड्रो इलेक्ट्रिक पॉवर स्टेशन है जो कि बराकर नदी पर बनाया गया है। यह बांध 1200 फीट लंबा और 99 फीट उंचा है जो कि 36 वर्ग किमी के क्षेत्र में एक सुन्दर और आदर्श झील से घिरा हुआ है। इसके निर्माण का मुख्य उद्देश्य बाढ़ को नियंत्रित करना है। इसका सुन्दर प्राकृतिक परिवेश पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यह स्थान बरही से मुख्य सड़क के द्वारा जलाशयों और पहाडियों से होकर जाता है। झुमरी तलैया पहुंचने के लिए नजदीकी रेलवे स्टेशन कोडरमा है जो नई दिल्ली-कोलकाता रेलमार्ग पर स्थित है।

## प्रमुख पर्यटन स्थल

- झरना कुंड
- तलैया बांध
- ध्वजाधारी पर्वत

इसके अलावा राजगीर, नालंदा और हजारीबाग राष्ट्रीय पार्क अन्य नजदीकी पर्यटन स्थल हैं।

## झुमरी तिलैया नगर परिषद एक नजर में

| कुल जनसंख्या | | साक्षरता दर | | कुल क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|
| 87,867 | पुरुष : 53%<br>महिला : 47% | 62% | पुरुष : 72%<br>महिला : 52% | 51 वर्ग किलोमीटर |

- कुल वार्डों की संख्या 28
- नगर प्रशासक : विनीत कुमार

### अभ्रक के खदानों के लिए रहा है मशहूर

झुमरी तिलैया एक समय अपने अभ्रक के खदानों के लिए मशहूर था। इसके आसपास से उत्तम किस्म का अभ्रक निकाला जाता रहा है। अभ्रक व्यापारियों ने झुमरी तिलैया में कई भव्य भवनों का निर्माण किया। सबसे ज्यादा अभ्रक डोमचांच में मिलता था, जिसे सोवियत रूस को निर्यात किया जाता था। 1990 के दशक में सोवियत रूस के विघटन और कृत्रिम अभ्रक की खोज होने से यहां के उद्योगों को घाटा होने लगा और यहां अभ्रक की खदानें धीरे-धीरे बंद होने लगी। हाल के वर्षों में तिलैया छोटे पैमाने पर उद्योगों के लिए इनक्यूबेटर बन गया है, क्योंकि खनिजों तक आसान पहुंच, बेहतर राजमार्ग और रेल कनेक्टिविटी, डीवीसी सब स्टेशन की वजह से बेहतर बिजली बुनियादी ढांचा विकसित हो गई।

### PMAY (U) घटक-4 में बेहतर प्रदर्शन के लिए मिल चुका है पूरे राज्य में 'बेस्ट म्युनिसिपल काउंसिल' का अवार्ड

कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया नगर परिषद को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-4 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरे राज्य में बेस्ट म्युनिसिपल काउंसिल का अवार्ड मिला है। इसी साल जनवरी माह में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोडरमा के तत्कालीन डीसी व झुमरीतिलैया नगर पर्षद के प्रशासक को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया था। झारखंड राज्य से एकमात्र चयनित नगर निकाय झुमरीतिलैया नगर परिषद को यह अवार्ड मिला है।

गांधी मैदान, मानगो।

## मानगो नगर निगम की नई पहल

# जल्द बदलेगी शहर के गांधी मैदान की तस्वीर

मानगो गांधी मैदान की तस्वीर जल्द ही बदलेगी। गांधी मैदान मानगो का सबसे खूबसूरत पार्क बनने वाला है। मानगो नगर निगम ने इसकी तैयारी भी कर ली है। मानगो गांधी मैदान में वाकिंग ट्रैक से लेकर ओपन जिम तक की व्यवस्था होगी।

पार्क के किनारे चारों तरफ हरियाली होगी जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए तरह-तरह की सुविधाएं मौजूद रहेंगी। लगभग एक करोड़ की लागत से गांधी मैदान की सुंदरता व सुविधाएं बढ़ाने की योजना है। एक तरफ बच्चों के खेलने-कूदने के लिए झूला और दूसरी ओर ओपन जिम होगा। जहां युवा स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक अभ्यास करेंगे। इसके साथ ही बुजुर्गों के लिए वाकिंग ट्रैक रहेगा, जिसपर सुबह-शाम लोग टहल सकेंगे। इसके साथ ही बैठने के लिए मैदान के चारों तरफ सीमेंट की कुर्सियां भी रहेंगी।

स्ट्रीट लाइट भी होगी जहां रात में भी लोग बैठ सकेंगे। मानगो नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक सहाय का कहना है कि प्रस्ताव भेज दिया गया है। जल्द ही इसकी मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद गांधी मैदान को सुंदर और व्यवस्थित बनाने का काम शुरू हो जाएगा।

संरक्षक
**श्री हेमंत सोरेन**
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
**विनय कुमार चौबे**
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
**विजया जाधव**
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में विगत 27 सितंबर से प्रारंभ हुए 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में नगरीय प्रशासन निदेशालय व हुडको के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी राँची में दिनांक 28.09.2021 को राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी "आवास पर संवाद" कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

आवास पर संवाद

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार


Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in

1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand.